दृष्टि The Vision

drishti

निर्धारित समय: 1 घंटा 30 मिनट
Time allowed: 1 Hour 30 Minutes

अधिकतम अंक: 125
Maximum Marks: 125

Name: PANKAJ RAJPUT **Mobile Number:** _____

Medium (English/Hindi): _____ **Email:** _____

Center & Date: _____ **UPSC Roll No.:** _____

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

All the questions are compulsory.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Answer Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks
1.	
2.	
3.	
4.	
5.	
6.	
7.	
8.	
9.	
10.	
Grand Total (सकल योग)	

_____

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)

Evaluator (Signature)

_____

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)

Reviewer (Signature)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इसी क्रम में जब 'लादेन' का उदाहरण लेते हैं, तो वह निश्चित रूप से बुद्धिमान था क्योंकि उसने CIA जैसी मजबूत खुफिया एजेंशियों को चकमा देकर 9/11 का हमला किया, किन्तु उसे विश्व का नागरिक नहीं कहना चाहिए क्योंकि उसने नरसंहार किया।

'अमेरिकी' नेतृत्व का उदाहरण भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण होगा क्योंकि यह वह देश है जिसने अपने स्वार्थों हेतु आतंकवाद को अफगानिस्तान में बढ़ावा दिया और स्वार्थ पूरा होने पर अब पूरे देश को आतंकवादियों के हाथों में छोड़कर चला गया, जिसके कारण मानवाधिकारों का उल्लंघन को बढ़ावा मिल रहा है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अतः उपर्युक्त विश्लेषण से स्पष्ट है कि बुद्धिमान व नैतिक व्यक्ति अपनी संकीर्ण विचारधारा से परे हटकर पूरे विश्व के कल्याण की सोच रखने के कारण दुनिया का नागरिक होता है; इस प्रकार यदि हम चाहते हैं कि जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद, शरणार्थी समस्या, गरीबी, साम्प्रदायिकता, नव-उपनिवेशवाद आदि समस्याओं का समाधान सटीक तरीके से हो, तो हमें बुद्धिमान व नैतिक व्यक्तियों को बढ़ावा देना होगा।

"इस नदी की धार में ठण्डी हवा आती तो है
नाव जर्जर ही सही पर लहरों से टकराती तो है
एक चिंगारी कहीं से ढूँढ लाओ दोस्तो
इस दिये में तेल से भीगी हुयी बाती तो है"

– दुष्यंत कुमार

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

1. "संतोष एक प्राकृतिक संपदा है,
जबकि विलासिता एक कृत्रिम निर्धनता।"

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

"ज्ञान दूर कुछ क्रिया भिन्न है,
इच्छा क्यों पूरी हो मन की
एक-दूसरे से न मिल सके
यही विडंबना जीवन की।"

प्रसिद्ध कवि जयशंकर प्रसाद के महाकाव्य 'कामायनी' से ली गयीं ये पंक्तियाँ बताती हैं कि ज्ञान, इच्छा एवं क्रिया में समन्वय न हो पाने से व्यक्ति संतोष जो कि एक प्राकृतिक संपदा है से परे हटकर विलासितापूर्ण जीवन जीने लगता है; व्यक्ति की यही प्रवृत्ति उसके जीवन को ईर्ष्या, घृणा, आत्मग्लानि, निरर्थकताबोध से अंततः भर देती है जिसके कारण व्यक्ति की जीवन के अनेक क्षेत्रों में सफलता की संभावना न्यून हो जाती है और वह कृत्रिम निर्धनता का शिकार होता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

आज के उपभोक्तावादी युग में व्यक्ति के ऊपर फैशन का बुखार सा चढ़ गया है, जिसके कारण वह अपनी असल आय को भी दिखावे के लिये खर्च कर रहा है, जिसकी वजह से ही वह अपनी ज़िंदगी में आगे बढ़ने की बजाय ठहर सा गया है, जो कि कृत्रिम निर्धनता को जन्म देता है।

यदि हम अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देखें तो पाकिस्तान का उदाहरण लिया जा सकता है; जिसे वर्ष 1947 में अलग देश का दर्ज़ा प्राप्त होने पर भी उसे संतोष नहीं हुआ और उसने कबाइलियों के वेश में अपनी सेना को भेजकर 'कश्मीर' पर कब्ज़ा करने की मंशा पाली, जिसका अनिवार्य परिणाम यह हुआ कि उसे भारत जैसे

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

सैन्य दृष्टिकोण से मजबूत देश के साथ शत्रुता लेनी पड़ी, और उसका सैन्य खर्च लगातार बढ़ता गया, जिसकी वजह से आज भी वह देश आर्थिक, राजनीतिक व कूटनीतिक अस्थिरता का शिकार बना हुआ है।

आज के दौर में ऐसे बहुत से लोग हैं जिनकी आय उनके दैनिक जीवन के खर्चों हेतु पर्याप्त है, किन्तु फिर भी उन्हें संतोष नहीं होता, जिसकी वजह से वह विलासितापूर्ण जीवन जीते हुये नशाखोरी (जैसे- ड्रग्स, सिगरेट या शराब का सेवन) में संलिप्त हो जाते हैं और जिसके परिणामस्वरूप निर्धनता का शिकार होते हैं।

संतोष के अभाव में व्यक्ति की महत्वाकांक्षाऐं तो अधिक हो जाती हैं, किन्तु विलासितापूर्ण जीवन के कारण

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

व्यक्ति अपने Comfort Zone से बाहर नहीं निकल पाता, जिसके कारण वह जीवन के विभिन्न मोर्चों पर असफल होता है और कृत्रिम निर्धनता का शिकार होता है।

संपूर्ण विश्व में कई धर्म ऐसे हैं जिनका पर्याप्त विकास हो चुका है, किन्तु फिर भी उनके नेतृत्व में पर्याप्त संतोष नहीं हैं जिसकी वजह से एक तरफ वे भोग-विलास में डूबे रहते हैं, वहीं दूसरी तरफ अपने अनुयायियों को घृणा वाक् के माध्यम से दूसरे धर्म के लोगों के खिलाफ भड़काते रहते हैं, जिसके परिणामस्वरूप अंततः साम्प्रदायिक दंगे भड़कते हैं और भारी संख्या में लोग इन दंगों की वजह से निर्धनता का शिकार हो जाते हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

यदि हम पर्यावरणीय स्तर पर नज़र डालें, तो स्पष्ट हो जाता है कि पश्चिम देश एवं अन्य अनेक देश आर्थिक रूप से मजबूत हैं, किन्तु फिर भी वे जलवायु परिवर्तन को रोकने हेतु कोई गंभीर प्रयास नहीं कर रहें जिसकी वजह से चरम जलवायवीय दशाओं को बढ़ावा मिल रहा है, जैसे- चक्रवात, बाढ़, सूखा आदि की आवृत्ति एवं बारंबारता में वृद्धि, जिसके परिणामस्वरूप निर्धनता में बढ़ोत्तरी हो रही है।

यदि हम 'इतिहास' पर नज़र डालें, तो स्पष्ट है कि यदि भारतीय शासक संतोष के अभाव में एक-दूसरे पर आक्रमण न करते और असहयोग न करते (बाह्य आक्रमण) के समय, तो संभवतः हमारे देश को विभिन्न आक्रमणों में पराजय न झेलनी पड़ती

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

और देश को लम्बे समय तक 'गुलामी' नहीं झेलनी पड़ती; यदि पानीपत के तृतीय युद्ध में यदि मराठों को अन्य भारतीय शासकों का सहयोग मिला होता, तो संभवतः भारत ब्रिटेन का उपनिवेश न बनता।

संतोष के अभाव में ही राजनीति का अपराधीकरण, अवसरवाद, दल-बदल, Crony Capitalism आदि प्रवृत्तियों को बढ़ावा मिलता है, जिसके केन्द्र में विलासिता हेतु अत्यधिक धन का आकर्षण होता है, जिसके परिणामस्वरूप देश की जनता को गरीबी का सामना करना पड़ रहा है।

विलासिता हेतु अत्यधिक धन के एकत्रण के परिणामस्वरूप व्यक्ति कई बार उच्च जोखिम वाली

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

परिसम्पत्ति में निवेश कर देते हैं और अनेक बार उनका यह धन डूब जाता है और वे कृत्रिम निर्धनता का शिकार होते हैं।

आज भारतीयों के एक बड़े वर्ग के विलासितापूर्ण जीवन जीने का ही परिणाम है कि हमें देश की लगभग 82 करोड़ जनसँख्या को मुफ्त या रियायती दरों पर खाद्यान्न वितरण करना पड़ रहा है।

विलासितापूर्ण जीवन जीने की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिलने से अब देश में बचत करने (भविष्य हेतु) की प्रवृत्ति कम हो रही है, जिसकी वजह से जब परिवार का कोई सदस्य अचानक से किसी गंभीर रोग का शिकार हो जाता है, तो out of Pocket Expenditure के कारण कृत्रिम निर्धनता का जन्म होता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

किन्तु, प्राकृतिक संपदा होने के बावजूद संतोष हमेशा अच्छा नहीं रहता क्योंकि संतोष होने पर व्यक्ति अपने तथा देश के विकास के प्रति उदासीन हो जाता जिससे उसकी तथा देश की तरक्की हतोत्साहित होती है।

भारतीय संविधान के मूल कर्तव्यों में वर्णित है कि भारत के सभी नागरिकों का यह कर्तव्य होगा कि वह अपने क्षेत्र में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का प्रयास करे; ऐसा कार्य वही कर सकता है जिसके अंदर संतोष के स्थान पर महत्वाकांक्षाएँ हों।

यदि हमारे पूर्वजों में संतोष ही होता, तो संभवतः आज हम प्रौद्योगिकी का इतना विकास न

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कर पाते और मंगल पर जीवन बसाने का स्वप्न भी संभवतः नहीं देख पाते।

आज जो सुख-सुविधाएँ, (जैसे- मेट्रो रेल, वायुयान, टेलीविजन, मोबाइल फोन आदि) जो हम भोग रहे हैं, वह संतोष नहीं महत्वाकांक्षा परिणाम है क्योंकि संतोष प्राप्त होने पर प्रायः व्यक्ति अकर्मण्य जीवन जीने लगता है।

प्रायः विलासिता का नकारात्मक अर्थ ही लोकप्रिय है, किन्तु यह हमेशा नकारात्मक नहीं होती क्योंकि विलासिता अनेक बार व्यक्ति को न केवल उन्नति के रास्ते पर चलने के लिये प्रोत्साहित करती है, बल्कि व्यक्ति के मार्ग का आसान भी बनाती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उदाहरण के लिये आज बड़ी संख्या में लोग इसलिए मेहनत करते हैं, ताकि वे विलासिता के साधनों को जुटा सकें और उनकी इसी मेहनत की बदौलत आज देश तरक्की के राह पर आगे बढ़ते हुए विश्व की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और $5 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है।

इस प्रकार संतोषी व्यक्ति नहीं महत्वाकांक्षी व्यक्तियों से देश आगे बढ़ता है, जिसे निम्नलिखित पंक्तियाँ ठीक से व्यक्त करती हैं-

"कोई चलता पदचिन्हों पर
कोई पदचिन्ह बनाता है
है वही सूरमा इस जग में
दुनिया में पूजा जाता है

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

देता संघर्षों को न्यौता
मानवता की खातिर जग में
ठोकर से करता दूर सदा
जो भी बाधा आती पग में"

अतः भारत जैसे देश में जहाँ गरीबी, भुखमरी, अशिक्षा, कुपोषण, साम्प्रदायिकता, नक्सलवाद जैसी समस्याएँ विद्यमान हैं, वहाँ प्राकृतिक संपदा होते हुये भी संतोष हमेशा अच्छा नहीं हो सकता; इसलिए हमें अपने Demographic Dividend का दोहन करने हेतु संतोषी के साथ-साथ महत्वाकांक्षी युवाओं की ज़रूरत है, जो अपने उद्यम के बल पर न केवल देश से तमाम समस्याओं को दूर कर सके, बल्कि सतत विकास लक्ष्य, NDC Targets, किसानों की आय को दोगुना करने

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि
चाहिये।
(Candidate must
write on this marg

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

और साथ ही $5 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनाने में भी मदद कर सके।

"कुछ लोग वक्त के साँचे में ढल गए
कुछ लोग वक्त के साँचे बदल गए।"

"सकारात्मक सोच संग उत्साह
और उल्लास लिये
जीतेंगे हर हारी बाजी
मन में यह विश्वास लिये।"

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. बुद्धिमान व्यक्ति इस या उस राज्य का नागरिक नहीं बल्कि दुनिया का नागरिक होता है।

बुद्धिमान व्यक्ति के विचार इतने अधिक परिपक्व हो जाते हैं कि वह जाति, धर्म, नस्ल, राष्ट्र आदि परे हटकर विश्व कल्याण का स्वप्न देखने लगता है; विश्व के विभिन्न भागों में विद्यमान समस्याओं के प्रति वह चिंतित रहता है और उन समस्याओं के समाधान की उसके भीतर तीव्र इच्छा होती है।

भारतीय संस्कृति को गढ़ने वाले लोग बुद्धिमान किस्म के रहे होंगे, तभी उन्होंने 'वसुधैव कुटुंबकम्' जैसा विचार दिया, जो कि पूरे विश्व को एक परिवार के रूप

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

में देखता है; ध्यातव्य है कि वर्तमान वैश्वीकरण के युग में भी जब हम संरक्षणवाद, ट्रंडवार, यूक्रेन-रूस युद्ध जैसे मुद्दे देखते हैं, तब हमें वसुधैव कुटुंबकम् के विचार की प्रासंगिकता समझ में आती है।

"औरों को हँसते देखो मनु
हँसो और सुख पाओ
अपने सुख को विस्तृत करलो
सबको सुखी बनाओ।"

हिंदी के प्रसिद्ध कवि जयशंकर प्रसाद की ये पंक्तियाँ बताती हैं कि प्रबुद्ध बनो और अपने सुख को विस्तृत करके सबको सुखी बनाने का प्रयत्न करो अर्थात् अपने अपने स्वार्थों को केवल स्वयं तक सीमित रहने दो।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

यदि इस संसार में प्रबुद्ध व्यक्तियों की संख्या ज्यादा हो, तब हम नव-उपनिवेशवाद जैसी प्रवृत्तियों पर लगाम लगा सकते हैं।

इसी प्रकार यदि विकसित देशों की राजनीति में प्रबुद्ध व्यक्ति होंगे, तो वे जलवायु परिवर्तन से लड़ने हेतु समान किंतु विभेदित उत्तरदायित्व को स्वीकार करते हुए जलवायु परिवर्तन को कम करने व पेरिस लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु विकासशील व अल्पविकसित देशों की वित्त एवं प्रौद्योगिकी स्थानांतरण दोनों माध्यमों से मदद करेंगे।

यदि हमारे देश में प्रबुद्ध व्यक्तियों का दबदबा हो, तो हमें सामाजिक, राजनीतिक व आर्थिक विषमता को

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कम करने हेतु ज्यादा विलंब न सहना पड़ेगा; ध्यातव्य है कि OXFAM की रिपोर्ट 'Inequality Kills' का मानना है कि भारत के 10% लोगों के पास देश की 57% संपत्ति का स्वामित्व है; इस भीषण आर्थिक विषमता को कम करने का कार्य बुद्धिमान व्यक्ति कर सकते हैं।

बिल गेट्स, वॉरेन बफेट जैसे बुद्धिमान व्यक्तियों का उदाहरण लें, तो स्पष्ट हो जाता है कि वे केवल USA के नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के नागरिक हैं क्योंकि पूरे विश्व में वे अपने परोपकारी भाव से शिक्षा, स्वास्थ्य आदि को बढ़ावा देने का कार्य कर रहे हैं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

यदि हम भारतीय इतिहास पर दृष्टि डालें तो गाँधी जी का उदाहरण लिया जा सकता है, जिन्होंने सत्य व इंसाफ के लिये न केवल भारत में आंदोलन का नेतृत्व किया, बल्कि दक्षिण अफ्रीका में भी उन्होंने शोषण का विरोध किया।

वहीं, एक अन्य बुद्धिमान व्यक्ति 'एनी बेसेंट' ने भारत को पराया देश न मानते हुये, यहाँ समाज सुधार व राजनीतिक आंदोलनों में भाग लिया।

'अब्राहम लिंकन' भी एक ऐसे ही बुद्धिमान व्यक्ति थे जिन्होंने न केवल अमेरिका से दास प्रथा का अंत किया, बल्कि पूरे विश्व को ऐसा करने की प्रेरणा भी प्रदान की।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

बुद्धिमान व्यक्तियों की श्रेणी में हम UN Peacekeeping Force के जवानों को भी शामिल कर सकते हैं, जो कि अपने देश से बाहर किसी अन्य अशांत देश में शांति स्थापित करने हेतु न केवल संघर्षरत हैं, बल्कि अपने प्राणों की आहुति भी दे रहे हैं।

'रूसो' जैसे बुद्धिमान व्यक्तियों के विचारों के बल पर ही फ्राँस में स्वतंत्रता, समानता व बंधुत्व के नारे के साथ क्रांति हुयी, जिसने आगे चलकर भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन सहित अनेक आंदोलनों को प्रेरित किया।

'कैलाश सत्यार्थी' बुद्धिमान व्यक्ति ने भारत में बाल श्रम

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

के विरुद्ध बचपन बचाओ आंदोलन चलाया, तो उसका लाभ भारत में तो मिला ही, अपितु जब उन्हें शांति का नोबेल पुरस्कार मिला, तो पूरे विश्व को इससे प्रेरणा मिली।

एलेक्जेंडर फ्लेमिंग, वह पहला बुद्धिमान व्यक्ति था जिसने पेनिसिलिन नामक Antibiotic का विकास किया, इसी अनुसंधान के बल पर आज चिकित्सा क्षेत्र में क्रांति आ चुकी है।

बुद्धिमान व्यक्ति जब प्रशासन में आता है, तब वह लोककल्याण को बढ़ावा देते हुये लोगों की समस्याओं का समाधान कर उन्हें विकास के पथ पर आगे बढ़ाने हेतु प्रयत्न करता है, इससे

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

न केवल देश आगे बढ़ता है, बल्कि सम्पूर्ण विश्व भी।

वहीं, यदि हम दूसरे पक्ष पर नज़र डालें अर्थात् यदि व्यक्ति बुद्धिमान है, किन्तु नैतिक नहीं, तो यह पूरे विश्व को विनाश के मार्ग पर आगे बढ़ा सकता है

इस संदर्भ में हम 'हिटलर' का उदाहरण ले सकते हैं, जो कि बुद्धिमान तो था, किन्तु नैतिक नहीं; यही कारण है कि पूरे विश्व को द्वितीय विश्वयुद्ध का दंश झेलना पड़ा और लाखों निर्दोष यहूदियों को अपनी जान गँवानी पड़ी।

इसी प्रकार ऐसे अनेक व्यक्ति हैं, जो साइबर प्रौद्योगिकी में दक्ष हैं,

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

किन्तु पूरे विश्व में साइबर अपराधों को बढ़ावा दे रहे हैं। जिसकी वजह से न केवल लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है, बल्कि कई देशों की एकता, अखंडता व संप्रभुता को खतरा उत्पन्न होता है

वर्तमान में चीन का नेतृत्व बुद्धिमान है, किन्तु उसे पूरे विश्व का नागरिक नहीं कहना चाहिए क्योंकि वह श्रीलंका, पाकिस्तान जैसे अनेक देशों में अपनी Debt Trap Policy के दम पर नव-साम्राज्यवाद व नव-उपनिवेशवाद को बढ़ावा दे रहा है। वर्तमान में श्रीलंका की आर्थिक व राजनीतिक दुर्दशा का बड़ा कारण चीनी नीतियाँ हैं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation